भारतीय राजस्व सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के 74वें बैच के लिए आयोजित परिबोधन कार्यक्रम में संबोधन

- भारतीय राजस्व सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को इस प्रतिष्ठित सेवा में चयन के लिए हार्दिक बधाई।

- भारतीय राजस्व सेवा, एक सामान्य सिविल सेवा नहीं है। आप जिस सेवा में हैं, राष्ट्र निर्माण की दृष्टि से वह सेवा संभवतः सबसे महत्वपूर्ण है।

- आप जब अपना प्रशिक्षण पूर्ण करके अपना कार्यभार संभालेंगे, तो आपका दायित्व होगा कि आप देश के आर्थिक आधार को सशक्त करें, मजबूत करें ताकि हमारी आर्थिक सामाजिक प्रगति सुनिश्चित हो सके।

- आपको याद रखना चाहिए कि आप मात्र एक टैक्स अधिकारी नहीं हैं बल्कि एक जवाबदेह, जिम्मेदार एवं पारदर्शी शासन के प्रतिनिधि भी हैं। कार्यपालिका का कार्य कानूनों का निर्माण है, परंतु उन कानूनों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करना शासन का दायित्व है।

- संसद द्वारा Tax से संबंधित जो भी कानून बनाए जाते हैं, उन कानूनों को न्यायपूर्ण तरीके से लागू करना आपका दायित्व होगा। अपने कार्यों से आप एक ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास करें जिसमें सभी करदाता (Tax Payers) राष्ट्र निर्माण में अपने योगदान के लिए गर्व का अनुभव करें।

- आपके माध्यम से देश में एक सकारात्मक संदेश जाना चाहिए कि निजी व्यक्ति या संस्थाएं जो Tax देती हैं, उनका राष्ट्र निर्माण तथा जन कल्याण के किन उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है।

- कोरोना जैसी महामारी का हम प्रभावी मुकाबला कर पाए तथा देश की विशाल जनसंख्या का निःशुल्क टीकाकरण कर पाए, इन सबका आधार करों (Taxes) के माध्यम से जुटाए गए वित्तीय संसाधन ही हैं। विदित हो कि सब कार्यों के मूल में वित्त है।

- आज शासन व्यवस्था में व्यापक बदलाव का युग है। आज का टैक्सपेयर पूरी टैक्स व्यवस्था में बहुत बड़े बदलाव और पारदर्शिता का जीवंत साक्षी बन रहा है। सरकार rules में, procedures में

Reform कर रही है और इसमें technology की भरपूर मदद ले रही है। कर प्रशासन (Tax Administraton) में भी बदलाव लाए जा रहे हैं।

- आज भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में है जहां टैक्सपेयर के अधिकारों और कर्तव्यों दोनों को codify किया गया है, उनको कानूनी मान्यता दी गई है।

- टैक्सपेयर और टैक्स कलेक्ट करने वाले के बीच विश्वास बहाली के लिए, पारदर्शिता के लिए सिस्टम बनाया जा रहा है। आपको इस व्यवस्था को और मजबूत करना है।

- इसी बढ़ते विश्वास का परिणाम है कि अब ज्यादा से ज्यादा नागरिक देश के विकास के लिए टैक्स व्यवस्था से जुड़ने के लिए आगे आ रहे हैं।

- आप सभी युवा अधिकारी हैं। आज शासन व्यवस्था में युवाओं की बड़ी भूमिका है। हमारी युवा पीढ़ी out of the box सोचने वाली है, नया करने का इरादा रखती है। वे creative हैं, fresh हैं और ऊर्जावान हैं।

- हमारी सरकार का विज़न है कि आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हो। इस vision को पूरा करने के लिए एक civil servant के तौर पर आपका रोल क्या हो, इस पर आप मंथन करें।

- युवा अधिकारी के रूप में आपके मन में हमेशा यह broad vision होना चाहिए कि आप जन आकांक्षाओं की पूर्ति कैसे करें, अपने काम की quality कैसे बढ़ाएं, देश को और उन्नत एवं समृद्ध कैसे बनाएं।

- आप सब अपनी सेवा से, अपने समर्पण से देश की विकास यात्रा में, देश को आत्मनिर्भर बनाने में बहुत बड़ा योगदान देंगे। आपका क्षेत्र भले ही छोटा हो, आप जिस विभाग को संभाल रहे हैं, उसका दायरा भले ही कम हो, लेकिन आपके द्वारा लिए गए निर्णयों में हमेशा लोगों का हित होना चाहिए, एक national perspective होना चाहिए।

- आप ध्यान रखें कि आप यहाँ सिर्फ कैरियर के लिए नहीं आए हैं, महज जॉब के लिए नहीं आए हैं, बल्कि सेवा के लिए आए हैं, सेवा भाव से आए हैं, 'सेवा परमो धर्मः'- इस मंत्र को ले करके आए हैं। आपके हर निर्णय से, हर एक्शन से, हर सिग्नेचर से लाखों जीवन प्रभावित होंगे।

- किसी भी लोक सेवक के लिए, **effective service delivery** के लिए, नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ईमानदार **feedback** बहुत जरूरी है। ये **mechanism**, ये प्रणाली भी आपको ही विकसित करना होगा।

- इस परिबोधन कार्यक्रम से आपको हमारी संसदीय पद्धतियों और प्रक्रियाओं के विभिन्न पहलुओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी हासिल होगी।

- मुझे विश्वास है कि इस कार्यक्रम से देश के नीति निर्माता और प्रशासक के रूप में कार्य करते हुए आपको भविष्य में अपने करियर में काफी सहायता मिलेगी।

- मुझे विश्वास है कि आप अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपनी सेवा की अपेक्षित शर्तों और पेशेवर दक्षता, निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के उच्चतम मानदंडों का पालन करेंगे।

- आज का युग तेजी से बदल रहा है। आपके कार्यक्षेत्र में साइबर सुरक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकी जैसी नई चुनौतियाँ आ रही हैं।

- बदलते परिप्रेक्ष्य में आपको अपने कार्य में नई प्रौद्योगिकियों का प्रभावी रूप से उपयोग करना चाहिए। इसके लिए आपकी भी ट्रैनिंग और कैपेसिटी बिल्डिंग होनी चाहिए।

- साथियों, आप देश की सबसे बड़ी लोकतान्त्रिक संस्था में संसदीय प्रक्रियाओं और पद्धतियों के बारे में जानने आए हैं। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और हमारा संविधान विश्व का सबसे प्रगतिशील संविधान है। संविधान ने नागरिकों को स्वतंत्रता, समता और जीवन का मौलिक अधिकार प्रदान किया है। सबके साथ न्याय की अवधारणा को मूर्त रूप दिया है।

साथियों,

- कोविड दिशानिर्देशों के कारण आप संसद की कार्यवाही तो नहीं देख पाएंगे, पर इस दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम में संसद के कामकाज के विभिन्न पहलुओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे।

- मेरा सुझाव है कि आप संसद के इतिहास और कामकाज के बारे में व्यापक जानकारी लें। आप इसका अध्ययन करें कि पिछले सात दशकों में किस प्रकार संसद की भूमिका में बदलाव आए हैं।

- अपने कार्य के दौरान आप जनप्रतिनिधियों से निरंतर संपर्क में रहेंगे। आप उनके द्वारा संसद में उठाए गए विषयों का अध्ययन करें। इससे आपको अनुमान होगा कि उनके लिए महत्वपूर्ण विषय क्या हैं।

- आप संसद ग्रंथालय जाएं और वहाँ उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन करें। आप उनके माध्यम से संसद की समृद्ध विरासत के बारे में जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।
- आप सभी को आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं।

धन्यवाद।